

संस्कृत
११
१-१-१

संज्ञा

६९८/संज्ञा. ३९५

दत्तात्रय सहरचरण



①

श्री

॥ श्रीदत्तात्रेयसहस्रनामाव ॥

॥ श्रीप्रारंभा ॥ श्रीदत्तवाजप्रसन्न ॥



॥ श्रीदत्तात्रेयसहस्रनामावलीप्रारंभा ॥ श्रीदत्तात्रेय
॥ श्रीगुरुदत्तमंगलमूर्त्तयेनमः ॥

१३४ श्रीमतेनमः ॥

१३५ देवायनमः ॥

३ विष्णुध्यायनमः ॥

४ पुराणायनमः ॥

५ पुरुषायनमः ॥

६ ब्रह्मणेनमः ॥

७ परायनमः ॥

८ यतयेनमः ॥

९ नाथानमः ॥

१० दीनबंधवेन ॥

११ कृपानिधये ॥

१२ सारस्वताय ॥

१३ मुनयेनमः ॥

१४ मुख्यायनमः

१५ तेजस्विनेनमः ॥

१६ भक्तवत्सलाय ॥

१७ धर्मायनमः ॥

१८ धर्ममयायनमः

१९ धर्मिणेनमः ॥

२० धर्मदायनमः ॥

२१ धर्मभावनायन ॥

२२ भाग्यदायनमः ॥

२३ भोगदायनमः ॥

२४ भोगिनेनमः ॥

२५ भाग्यवतेनमः ॥

२६ भानवेनमः ॥

२७ रंजनायनमः ॥

२८ भास्करायनमः ॥

२९ भयहर्त्रेनमः ॥

३० भवत्रेनमः ॥

३१ भावभुवेन ॥

३२ भवतारणाय ॥

- ३३ कृष्णाय नमः ॥ ५१ श्रीरामशिष्याय ॥
 ३४ लक्ष्मीपत्नये नमः ॥ ५२ रामशायन ॥
 ३५ देवाय नमः ॥ ५३ रामैकाक्षरतसरा ॥
 ३६ पारिजातापहारिका ॥ ५४ श्रीराममंत्रविख्याता ॥
 ३७ सिंहादिनिलया ॥ ५५ राममंत्राधिपारुगा ॥
 ३८ संभवे नमः ॥ ५६ रामभक्त्याय नमः ॥
 ३९ व्यंकटाचलवासका ॥ ५७ रामसखे नमः ॥
 ४० कोल्हापुराय नमः ॥ ५८ रामवते नमः ॥
 ४१ श्रीजपवने नमः ॥ ५९ रामहर्षणाय नमः ॥
 ४२ मादुराजिनिभिष्टुका ॥ ६० अनसूयात्मने ॥
 ४३ सेतवे नमः ॥ ६१ देवदत्ताय नमः ॥
 ४४ तीर्थाय नमः ॥ ६२ आत्रेयनामका ॥
 ४५ विराधरामने नमः ॥ ६३ सुरूपाय नमः ॥
 ४६ रामध्यानपरायणा ॥ ६४ सुमनस्ये नमः ॥
 ४७ रामार्चिताय नमः ॥ ६५ प्राशाय नमः ॥
 ४८ रामगुद्वे नमः ॥ ६६ श्रीदास्ये नमः ॥
 ४९ रामात्मने नमः ॥ ६७ वैकुण्ठवल्लभा ॥
 ५० रामदेवताय नमः ॥

(५)

- ६८ विरजायनमः॥ ७५ कूर्मायनमः॥
६९ स्थानकायनमः॥ ८६ देवराहायनमः॥
७० श्रेष्ठायनमः॥ ८७ हरयेनमः॥
७१ सर्वायनमः॥ ८८ कृष्णायनमः॥
७२ नारायणायन०॥ ८९ महास्मयाय०॥
७३ प्रभवेनमः॥ ९० रामायनमः॥
७४ कर्मसायनमः॥ ९१ समायनमः॥
७५ कर्मनिरायायन०॥ ९२ रघुपुत्रयेनमः॥
७६ नृसिंहायनमः॥ ९३ बुधायनमः॥
७७ वामनायनमः॥ ९४ कल्किनेनमः॥
७८ अच्युतायन०॥ ९५ जनार्दनायन०॥
७९ कवयेनमः॥ ९६ गोविंदायनमः॥
८० काव्यायनमः॥ ९७ माधवायनमः॥
८१ जगन्नाथायन०॥ ९८ विष्णवेनमः॥
८२ जगन्मूर्तयेन०॥ ९९ श्रीधरायन०॥
८३ अनामयाय०॥ १०० देवनायकाय०॥
८४ महस्यायनमः॥ १०१ त्रिविक्रमाय०॥

- २ केशवायनमः॥ १९ इमानुभोक्तैन॥
 ३ वासुदेवायनमः॥ २० सिद्धेशायनमः॥
 ४ महेश्वरायनमः॥ २१ सिद्धिमतेनमः॥
 ५ संकर्षणायनमः॥ २२ सिद्धवत्सलाय॥
 ६ पद्मनाभायनमः॥ २३ सिद्धरूपायन॥
 ७ दामोदरायनमः॥ २४ सिद्धाचारायन॥
 ८ परायनमः॥ २५ प्रवर्तकायनमः॥
 ९ शुचयेनमः॥ २६ ब्रह्मशायन॥
 १० श्रीशैलयायन॥ २७ सनकादयेनमः॥
 ११ वनचारिणेनमः॥ २८ रसाहारायन॥
 १२ भार्गवस्थानकोविदा २९ विवाहाराय॥
 १३ अहोबलनिवासिने ३० गंधवादिप्रसेवका॥
 १४ स्वामीनेनमः॥ ३१ योगिनेनमः॥
 १५ पुष्करणीप्रियाय॥ ३२ भोगपरायन॥
 १६ कुंभकोणनिवासिने ३३ राशेनमः॥
 १७ कांचिवासिनेन॥ ३४ धनिमतेनमः॥
 १८ रत्नेश्वरायनमः॥ ३५ मतिमतेनमः॥
 ३६ सुखिनेनमः॥

(6)

- ३७ बुद्धिमतेनमः॥
३८ नीतिमतेनमः॥
३९ बालायनमः॥
४० उन्मत्तायनमः॥
४१ ज्ञानसागराय॥
४२ योगिसुतायन॥
४३ योगिवंद्यायन॥
४४ योगिचंद्रायन॥
४५ यतीश्वरायन॥
४६ योगादिमतेन॥
४७ योगरूपायन॥
४८ योगीशायनमः॥
४९ योगप्रज्ञितायन॥
५० काष्ठयोगिनेन॥
५१ दृढप्रज्ञायन॥
५२ लंबिकायोगवते०
५३ दुखायनमः॥
५४ खेचरायनमः॥
५५ खगायनमः॥
५६ पूषावनेनमः॥
५७ रुद्रिमवनेनमः॥
५८ शूद्रभायनाय०॥
५९ श्रीपतयेन०॥
६० कार्यप्रिद्धिमते०॥
६१ सृष्टासृष्टविहीनस्मिन्
६२ योगज्ञायन॥
६३ योगमूर्तिमते०॥
६४ मोक्षश्रियेन०॥
६५ मोक्षदायन॥
६६ मोक्षिणेन०॥
६७ मोक्षरूपाय०॥
६८ विशेषवतेन०॥
६९ सुखप्रदाय०॥
७० सुखायन०॥
७१ सौख्याय०॥

- ७२ सुखरूपाय नमः ॥ ९९ सहस्राक्षाय ॥
 ७३ सुखात्मकोऽय ॥ १० जितेन्द्रियाय ॥
 ७४ रात्रिरूपाय ॥ ११ स्थूलाय नमः ॥
 ७५ दिवा रूपाय ॥ १२ सूक्ष्माय नमः ॥
 ७६ संध्यात्मने न ॥ १३ निराकाराय ॥
 ७७ कालरूपकाय ॥ १४ निर्मोहाय नमः ॥
 ७८ कालाय नमः ॥ १५ भक्तमोहवते ॥
 ७९ कालविवर्णाय ॥ १६ महीयसे नमः ॥
 ८० बालाय नमः ॥ १७ परमाणवे नमः ॥
 ८१ प्रभवे नमः ॥ १८ जितक्रोधाय ॥
 ८२ अतुल्यकाय ॥ १९ भयापहाय नमः ॥
 ८३ सहस्रशीर्षेण ॥ २० भयहर्त्रे नमः ॥
 ८४ पुत्राय ॥ १ योगानंदप्रदात्रे ॥
 ८५ वेदासने न ॥ २ योगाय नमः ॥
 ८६ वेदपारगाय ॥ ३ योगविशारदाय ॥
 ८७ सहस्रचरणाय ॥ ४ नित्याय नमः ॥
 ८८ अनन्ताय नमः ॥ ५ नित्यात्मवते न ॥

- | | |
|--------------------------|----------------------------|
| ६ योगिने नमः ॥ | २३ धर्मबुधये नमः ॥ |
| ७ नित्यपूर्णाय नमः ॥ | २४ विचक्षणाय नमः ॥ |
| ८ निरामयाय नमः ॥ | २५ नित्यवृक्षाय नमः ॥ |
| ९ इक्ष्वाक्याय नमः ॥ | २६ विशोकाय नमः ॥ |
| १० देवइक्ष्वायु नमः ॥ | २७ द्विभुजाय नमः ॥ |
| ११ योगिने नमः ॥ | २८ कामरूपकाय नमः ॥ |
| १२ परमभास्कराय नमः ॥ | २९ कल्याणाय नमः ॥ |
| १३ अवधूतय नमः ॥ | ३० अभिजनाय नमः ॥ |
| १४ सर्वनाथाय नमः ॥ | ३१ धीराय नमः ॥ |
| १५ सत्कर्त्रे नमः ॥ | ३२ विदिष्याय नमः ॥ |
| १६ पुत्रघोचमाय नमः ॥ | ३३ सुविचक्षणाय नमः ॥ |
| १७ शानिने नमः ॥ | ३४ श्रीमद्गवते नमः ॥ |
| १८ लोकविभवे नमः ॥ | ३५ अर्थज्ञाय नमः ॥ |
| १९ कालाय नमः ॥ | ३६ रामायणविशेषवते नमः ॥ |
| २० शीतोष्णसमबुधकाय नमः ॥ | ३७ अष्टादशपुराणज्ञाय नमः ॥ |
| २१ विद्वेषिणे नमः ॥ | ३८ षडद्वर्तनाय नमः ॥ |
| २२ जनसंहर्त्रे नमः ॥ | ३९ विजृम्भकाय नमः ॥ |
| | ४० निर्विकल्पाय नमः ॥ |

- ४१ सुरश्रेष्ठाय नमः ॥ ५८ सौम्याय नमः ॥
 ४२ उत्तमाय नमः ॥ ५९ रामाय नमः ॥
 ४३ लोकप्रजिता ॥ ६० जयाय नमः ॥
 ४४ गुणतीलाय नमः ॥ ६१ शिवाय नमः ॥
 ४५ पूर्णगुणाय नमः ॥ ६२ सर्वजित्ते नमः ॥
 ४६ ब्रह्मण्याय नमः ॥ ६३ सर्वतोभद्राय ॥
 ४७ द्विजसंवृताय ॥ ६४ जयकांक्षिणे नमः ॥
 ४८ दिग्बराय नमः ॥ ६५ सुखावहाय ॥
 ४९ महाज्ञेयाय ॥ ६६ प्रत्यर्थिकीर्तिने ॥
 ५० विश्वात्मने नमः ॥ ६७ संहर्त्रे नमः ॥
 ५१ परायणाय नमः ॥ ६८ महारचितपादुका ॥
 ५२ वेदांतश्रवणा ॥ ६९ वैकुण्ठवासाय ॥
 ५३ वांदिने नमः ॥ ७० देवेशाय नमः ॥
 ५४ कलावते नमः ॥ ७१ विरजाय नमः ॥
 ५५ निष्कलत्रवते ॥ ७२ स्नातमानसा ॥
 ५६ मितप्रपिणे नमः ॥ ७३ श्रीमेरुनिलया ॥
 ५७ अमितप्रपिणे ॥ ७४ योगिने नमः ॥

- ७५ बालार्कसमकान्तिमते १२ जगन्मयाय ॥
 ७६ रत्नांगायन ॥ १३ बहाराणाय ॥
 ७७ शान्तलांगायन ॥ १४ सूक्ष्मवासिने ॥
 ७८ बहुवेषायन ॥ १५ मीनाहाराय ॥
 ७९ बहुप्रियाय ॥ १६ निरुद्यमाय ॥
 ८० महालक्ष्म्यनूर्णया ॥ १७ ध्यानात्मने ॥
 ८१ स्वधाकाराय ॥ १८ ध्यानयोगात्मने ॥
 ८२ यतीश्वराय ॥ १९ ध्यानस्त्राय ॥
 ८३ स्वर्णरूपायन ॥ २० ध्यानसस्त्रिया ॥
 ८४ स्वर्णदायिने ॥ १ सत्यध्यानायन ॥
 ८५ मूलिकायंत्रकोविदे ॥ २ सत्यमयाय ॥
 ८६ अनीनमूलिकायंत्र ॥ ३ सत्यरूपाय ॥
 ८७ भक्ताभीष्टप्रदाय ॥ ४ निजाकृतये ॥
 ८८ महत्वेनुमः ॥ ५ त्रिलोकगुरुवे ॥
 ८९ शान्ताकाराय ॥ ६ एकात्मने न ॥
 ९० महामायाय ॥ ७ भस्मोद्धूलितविग्रहाय ॥
 ९१ मातृरुच्छाय ॥ ८ प्रियाप्रियेसमाय ॥

- | | |
|----------------------|------------------|
| ९ पूर्णायनमः॥ | २५ मधुसूदना॥ |
| १० लाभालाभसमप्रि० | २६ कर्त्रेनमः॥ |
| ११ सुखायनमः॥ | २७ कारयितेन॥ |
| १२ दुःखायनमः॥ | २८ रुद्रायनमः॥ |
| १३ समायनमः॥ | २९ सर्वचारिणेन॥ |
| १४ हीमतेनमः | ३० याचकाय॥ |
| १५ हिताहितसमाप्रिया० | ३१ संप्रदायन० |
| १६ परायनमः॥ | ३२ वृष्टीरूपा॥ |
| १७ गुरवेनमः | ३३ मेघरूपाय॥ |
| १८ ब्रह्मणेनमः | ३४ तपःप्रियाय॥ |
| १९ विषवेनमः | ३५ तपोमूर्त्तये० |
| २० महाविष्णवेन॥ | ३६ तपोराशिने॥ |
| २१ सनातनायन॥ | ३७ तपस्विनेन॥ |
| २२ सदाशिवाय० | ३८ तपोधनाय॥ |
| २३ महेंद्रायन॥ | ३९ तपोमयाय० |
| २४ गोविंदाय॥ | ४० तपायनमः॥ |



(12)

- ४१ शुद्धाय नमः॥
४२ जनकाय न॥
४३ विश्वाय न॥
४४ सृष्टे नमः॥
४५ विधये नमः
४६ तपसिधाय॥
४७ तपःसाधाय॥
४८ तपःकर्त्रे न॥
४९ तपःऋतवे॥
५० तपःशमाय न॥
५१ तपःकीर्तये न॥
५२ तपोदाराय न॥
५३ तपोन्वयाय॥
५४ तपोदेतसे॥
५५ तपज्योतिषे॥
५६ तपात्मने॥
५७ अत्रिर्नन्दना॥
५८ निःकल्मषाय॥
५९ निष्कपटाय न॥
६० निर्विघ्नाय॥
६१ धर्मभीतका॥
६२ वैधृताय न॥
६३ तारकाय नमः॥
६४ कर्मवेदिकाय॥
६५ प्रात्मणाय॥
६६ यतये न॥
६७ नक्षत्रतेजसे॥
६८ होलात्मने न॥
६९ परिशुधाय॥
७० विमलसराय॥
७१ जटिने नमः॥
७२ कृष्णाग्निपरा॥
७३ व्याघ्रचर्मधरा॥
७४ वसिने न॥
७५ चीरवाससे॥

- ७ धनुक्कवस्त्रावरा ॥ ८३ कनकीभूतमलवते ॥
 ७७ चंद्रानुजाय ॥ ८४ राजयोगविचक्षणा ॥
 ७८ चंद्रमुखाय ॥ ८५ शकटादिविशेषज्ञा ॥
 ७९ शुकयोगिने ॥ ८६ कविकानीगितसरा ॥
 ८० वंदप्रदायन ॥ ८७ प्रपंचरूपिणे ॥
 ८१ हिमयोगिनेन ॥ ८८ बलवतेन ॥
 ८२ पंचतपसे ॥ ८९ एककोपीनवस्त्रका ॥
 ८३ मांसबहुसाय ॥ ९० दिगंबराय ॥
 ८४ भूतज्ञाय ॥ ९१ सज्जयेन ॥
 ८५ वर्तमानज्ञाय ॥ ९२ सकमुंडलवे ॥
 ८६ एषज्ञाय ॥ ९३ सहंशायन ॥
 ८७ धर्मवत्सलाय ॥ ९४ निर्दंशाय ॥
 ८८ प्रजाहिताय ॥ ९५ त्रिवेषाय ॥
 ८९ सर्वाहिताय ॥ ९६ पुरुषाकृतये ॥
 ९० अनिधाय ॥ ९७ तुलसीकाष्ठमालिने ॥
 ९१ लोकवंदिताय ॥ ९८ शंखमालिनेनमः ॥
 ९२ अकुंचमोहासंबधमलभूत्ररसाय ॥

- ९ स्फटिकमालिने ॥ २६ जातिहीनाय ॥
 १० निर्मालिकाय ॥ २७ सुजातिकाय ॥
 ११ शुद्धलयाय ॥ २८ अभक्ष्यभक्षाय ॥
 १२ स्वेच्छायन ॥ २९ निर्भक्षाय ॥
 १३ अमरवते ॥ ३० जगद्धितदेहवते ॥
 १४ परायनमः ॥ ३१ षण्णायन ॥
 १५ ऊर्ध्वपुंद्रायन ॥ ३२ दृषणसमाय ॥
 १६ त्रिपुंद्रायन ॥ ३३ कालकालाय ॥
 १७ इंद्रीनायन ॥ ३४ दयानिधये ॥
 १८ सुनिर्मलायन ॥ ३५ बालप्रियाय ॥
 १९ निर्जटायन ॥ ३६ बालरचयेन ॥
 २० सुजटाय ॥ ३७ बालवतेन ॥
 २१ हेयायनमः ॥ ३८ अतिबालकाय ॥
 २२ भस्मशायिने ॥ ३९ बालक्रीडायन ॥
 २३ सुभोगवतेनमः ॥ ४० बालरुताय ॥
 २४ सूत्रस्पर्शायन ॥ ४१ बालसंचयुता ॥
 २५ मलस्पर्शायन ॥ ४२ बलिनेन ॥

- ४३ बाललीलाविनोदो० ५९ चोदवत्पृतसर्वस्वा०
 ४४ कर्णकर्षणकारका० ६० जनतार्तिकदेहवते०
 ४५ क्रीयानीतवणिजे० ६१ प्रहसतेनमः॥
 ४६ पुण्यायनमः॥ ६२ प्रवदतेन०॥
 ४७ गुडसूपादिभक्षका० ६३ दत्तायनमः॥
 ४८ बालवन्दितसदृशा० ६४ दिव्यमंगलविग्रहा०
 ४९ मुष्टियुधकरा० ६५ मायाबालाय०॥
 ५० चलायनमः॥ ६६ मायाविनेन०॥
 ५१ अदृश्याय० ६७ पूर्णलीलाय०॥
 ५२ दृश्यमानाय० ६८ मुनेश्वराय०॥
 ५३ इन्द्रयुधप्रवर्तका० ६९ मादुरेशाय०॥
 ५४ पलायमानाय० ७० विशुद्धात्मनेन०॥
 ५५ बालाढ्याय० ७१ यशस्विनेन०॥
 ५६ हासबालसुसंग० ७२ कीर्तिमतेन०
 ५७ प्रत्यागताय० ७३ यूनेनमः॥
 ५८ पुनर्गच्छचक्रवर्तमाना० ७४ सविकल्याय०॥

- ७५ सच्चिदाभाय॥ ९१ त्रिलोकाय न॥
 ७६ गुणवने॥ ९२ त्र्यंबकाय॥
 ७७ सौम्यभावनाय॥ ९३ चतुर्दशाय॥
 ७८ पिनाकिनेन॥ ९४ त्रयवनाय॥
 ७९ शशिमौलिने॥ ९५ स्त्रीकामाय॥
 ८० वासुदेवाय॥ ९६ हंसवाहना॥
 ८१ दिवस्पतयेन॥ ९७ चतुष्कलाय॥
 ८२ सुश्रवणेन॥ ९८ चतुर्दशाय॥
 ८३ सूर्यदेवाय न॥ ९९ गतये नमः॥
 ८४ श्रीगंभीरोष्ठज्जना॥ ५०० शंभवे नमः
 ८५ दशपत्रिनेन॥ १ प्रियाननाय॥
 ८६ त्रिशोर्षाय॥ २ चतुर्गतये॥
 ८७ त्रिभिर्न्यासाय॥ ३ महादंष्ट्राय॥
 ८८ द्विशुकवनेन॥ ४ वेदांगिनेन॥
 ८९ त्रिसमाय॥ ५ चतुराननाय॥
 ९० त्रितात्मनेन॥ ६ पंचरुधायन॥

७ महायोगिने॥

२४ इयावनेनमः

८ महाद्वादशवानका॥

२५ करुणापूर्णाय॥

९ चतुर्मुखायन॥

२६ महेशाय॥

१० नरत्ननेने॥

२७ माहुरेश्वराय॥

११ अजयायन॥

२८ वीरासनसमासीना०

१२ अष्टवंशवने॥

२९ रामायनमः

१३ चतुर्दशसमदृश०

३० रामपरायणाय॥

१४ मुकुटांक्याय॥

३१ इंद्रायनमः॥

१५ द्वांशवने॥

३२ बन्धयेनमः॥

१६ कर्षाकायन॥

३३ यमायनमः॥

१७ वृषभारूढा॥

३४ कालायन॥

१८ चंद्रतेजसेनमः

३५ निर्मलयेन॥

१९ सुदर्शनाय॥

३६ वरुणायन॥

२० सामप्रियाय॥

३७ यमायनमः॥

२१ महेशायन॥

३८ वायवेनमः॥

२२ चिह्नकाराय॥

३९ रुद्रायन॥

२३ नरोत्तमाय॥

४० ईशानायन॥

४१ लोकपालाय॥

- ४२ अहिपतयेन०॥
 ४३ महाभूषणेन०॥
 ४४ यक्षगंधर्वकिंबरा०
 ४५ विद्याधरायन०॥
 ४६ अहिपतयेन०॥
 ४७ चारुणाय०॥
 ४८ पन्नगेश्वराय०॥
 ४९ चंडीकेशाय०॥
 ५० प्रचंडायनमः
 ५१ घंटाहारतृप्तिया०
 ५२ विणाध्वनेयनमः॥
 ५३ वैनेतेयाय०॥
 ५४ नारदाय०॥
 ५५ सुबुधाय०॥
 ५६ वीणाप्रचंडसौंदर्या०
 ५७ राजीवाक्षाय०॥
 ५८ मन्मथाय०॥
 ५९ चंद्रायन०॥
 ६० दिवाकराय०॥
 ६१ गोपायनमः॥
 ६२ कंसरिणेन०॥
 ६३ सोमसोहरा०॥
 ६४ सनकाय०॥
 ६५ सुकयोगिने०॥
 ६६ नंदिनेन०॥
 ६७ षण्मुखरागका०॥
 ६८ गणेशाय०॥
 ६९ विष्णुगजाय०॥
 ७० चंद्राभाय०॥
 ७१ विजयोजयाय०॥
 ७२ अनितकालचक्र०
 ७३ त्रिशुलेंद्राय०॥
 ७४ तामसाय०॥
 ७५ कालहंतवते०॥
 ७६ विष्णवेनमः॥
 ७७ चक्रायनमः॥
 ७८ ब्रह्महंताय०॥
 ७९ विरधका०॥
 ८० ब्रह्मास्त्ररूपा०॥

८० सत्येंद्राय ॥
 ८१ कीर्तिमते ॥
 ८२ गोपतये ॥
 ८३ भवाय नमः ॥
 ८४ वसिष्ठाय ॥
 ८५ वामदेवाय ॥
 ८६ ज्वालिने ॥
 ८७ कण्वरूपाय ॥
 ८८ संवर्चरूपाय ॥
 ८९ मोहलार्थे ॥
 ९० मार्कंडेयाय ॥
 ९१ काश्यपाय ॥
 ९२ त्रिज्जडाय नमः ॥
 ९३ गार्ग्यरूपिणे नमः ॥
 ९४ विषनाभाय नमः ॥
 ९५ महादयाय ॥

९६ उद्रेनमः ॥
 ९७ निशाकराय ॥
 ९८ कर्मकाश्यपाय ॥
 ९९ त्रिरूपवत्ने ॥
 १०० रज्जुमहत्तये ॥
 १ सर्वरूपाय ॥
 २ सर्वनाहाय ॥
 ३ यत्नेश्वराय ॥
 ४ अश्वरूपिणे ॥
 ५ वेद्यपतये ॥
 ६ गरुडाय ॥
 ७ अंबिकार्चिताय ॥
 ८ चिंतामणये ॥
 ९ कल्पवृक्षाय ॥
 १० रत्नाद्रिये नमः ॥
 ११ उदधीप्रियाय ॥
 १२ महामंडूकरूपिणे ॥



Digitized by eGangotri
 www.jagadgururambhadracharya.org
 www.jagadgururambhadracharya.org



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com